डी० बी० कॉलेज जयनगर, मधुबनी.

एल० एन० एम० यु० दरभंगा,

नाम - मो० मुन्ना

सहायक प्राचार्य (अतिथि शिक्षक)

मैथिली विभाग — दिनांक - 29,04,2020

बी०ए० - IInd YEAR,

अनिवार्य भाषा (मातृभाषा) मैथिली - 50 Marks

व्याकरण - समास

समास

समास :- जखन दू वा दू सँ अधिक पद अपन-अपन विभक्ति चेन्हकेँ छोड़ि आपसमे मिलि एकटा नव पद बनैत अछि तखन पदक ई मिलब समास कहबैत अछि। समासक अर्थ अछि संक्षेपण। एहि सँ बनल शब्दकेँ सामासिक वा समस्त पद कहल जाइत अछि।

समासक छः भेद होयत अछि —

1. तत्पुरुष समास
2. नञ समास
3. कर्मधारय समास
4. द्विगु समास
5. द्वन्द्व समास
6. बहुव्रीहि समास।

1. तत्पुरुष समास :- जाहि समस्त पदमे उत्तर पदक प्रधानता रहैत अछि, ओ भेल तत्पुरुष समास। जेना- पानिबट - पानिक बाट। एहि मे बाटक प्रधानता अछि पानि गौण अछि। तमघैल, गठजोड़, मुँहजोड़, आदिके मृगराज, आदि

2. नञ समास :- अभाव अथवा निषेधक अर्थमे जे शब्दक पूर्व जँ 'अ' अथवा 'अन' लागैत अछि तँ ओ नञ समास होइत अछि। जेना — अनेक न एक अद्वितीय न द्वितीय अनाथ-हार, अनहोनी, अनर्थ आदि।

3. कर्मधारय समास :- विशेषण अथवा विशेष्यक समास कर्मधारय कहबैत अछि। एहिमे दुनू

Scanned with CamScanner

पद एकहि विभक्तिमे रहैत अछि तँ एकरा समानाधिकरण सेहो कहल जाइत अछि। जेना - आन दिन - अनदिना, सबदिन सबदिना, पीत अम्बर - पीताम्बर, नीलकमल - घन सदृश्य श्याम।

4. द्विगु :- जाहि समासक पहिल पद संख्यावाचक रहैत अछि ओ थिक द्विगु समास जेना - चारि बाट चौबट्टी, सतघरा, पंचमैया, छमासिया।

5. द्वन्द्व - जाहि समासमे द्वन्द्व पद समान रूप सँ प्रधान हो विशेषण विशेष्यक भाव नहि रहय से द्वन्द्व समास होइछि। जेना - आगि-पानि, दालिभात, मायबहिन, पानिपाथर, लोकवेद आदि।

6. <u>बहुव्रीहि</u> :- जाहि समासमे दुनू सँ कोनो पद प्रधान नहि रहैत अछि अपितु अन्य पद प्रधान होइत अछि से थिक बहुव्रीहि समास। जेना - लम्बोदर, गजानन, हथकट्टा नकपिच्चा आदि।

संस्कृतमे अव्ययीभाव समास सेहो अछि, मुदा मैथिलीमे एकर उदाहरण मात्र तत्सम शब्दमे भेटैत अछि। जेना - यथाशक्ति, अनुरूप, अनुलक्षण।

Scanned with CamScanner